

# सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई, गोकुल में बाजत बधार्ई

सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई, गोकुल में बाजत बधार्ई :

सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई,  
गोकुल में बाजत बधार्ई,

कंचन कलश होम द्विज पूजा,  
होत चन्दन भवन लिपार्ई,  
गोकुल में बाजत बधार्ई,  
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई,

नन्द गावैं नाचैं अन्न धन लुटावैं,  
देखि यशुमति अति हरषार्ई,  
गोकुल में बाजत बधार्ई,  
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई,

गवाल बाल सजि धजि संग गोपिन,  
शुभ मंगल गीत गवार्ई,  
गोकुल बाजत बधार्ई,  
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हार्ई,

धन्य धन्य गोकुल नर नारी,  
हरि चरण कमल रज पाई,  
गोकुल में बाजत बधाई,  
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,

हरि दरसन देवन सब धाये,  
सखी महिमा बरन न जाई,  
गोकुल में बाजत बधाई,  
सखी प्रकटे कृष्ण कन्हाई,  
गोकुल में बाजत बधाई,

आभार : ज्योति नारायण पाठक  
वाराणसी

Source:

<https://www.bharattemples.com/sakhi-prakate-krishna-kanhayee-gokul-men-bajat-badhayee/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>